**डराने-धमकाने और हिंसा भरे व्यवहार के बारे में मुख्य तथ्य**

# डराना-धमकाना

• कक्षा 4 से कक्षा 9 में पढ़ने वाले प्रत्येक चार ऑस्ट्रेलियन विद्यार्थियों में से एक (27%) स्कूल के अंतिम टर्म के दौरान हरेक चंद सप्ताहों या इससे अधिक बार (बारंबार माने जाना वाला) उन्हें डराए-धमकाए जाने की सूचना देता है।

• स्कूल में बारंबार डराए-धमकाए जाने की घटनाएँ कक्षा 5 (32%) और कक्षा 8 (29%) के विद्यार्थियों में सबसे अधिक थी।

• दूसरे विद्यार्थियों को ऑनलाइन तरीके से डराने-धमकाने वाले 83% विद्यार्थी उन्हें ऑफ़लाइन तरीके

से भी डराते-धमकाते हैं।

• जिन विद्यार्थियों को ऑनलाइन तरीके से डराया-धमकाया गया था उनमें से 84% विद्यार्थियों को

ऑफ़लाइन तरीके से भी डराया-धमकाया गया था।

• डराने-धमकाने की 87% घटनाओं में मित्र समूह दर्शक बने उपस्थित थे, और उन्होंने डराने-धमकाने की प्रक्रिया में केन्द्रीय भूमिका निभाई थी।

• विद्यार्थियों द्वारा अनुभव किए जाने वाले डराने-धमकाने के व्यवहारों में हानिकारक छेड़छाड़ सबसे अधिक प्रचलित थी, जिसके बाद उनके बारे में हानिकारक झूठ बोले जाने की घटनाएँ शामिल थी।

• साइबर-बुलिंग आयु (या प्रौद्योगिकी तक पहुँच) से संबंधित प्रतीत होती है, और छोटे विद्यार्थियों की तुलना में बड़े विद्यार्थियों की साइबर-बुलिंग में शामिल होने की संभावना अधिक होती है।

(स्रोत: Cross, D., Shaw, T., Hearn, L., Epstein, M., Monks, H., Lester, L., & Thomas, L. 2009. Australian Covert Bullying Prevalence Study (ACBPS). Child Health Promotion Research Centre [बाल स्वास्थ्य प्रसार अनुसंधान केन्द्र], एडिथ कोवान यूनिवर्सिटी, पर्थ)।

# हिंसा

• बच्चों व युवा लोगों की अधिकांश संख्या पीड़ितों या अपराधकर्ता के तौर पर हिंसा में शामिल नहीं होती है।

(स्रोत:कमीशनर फॉर चिल्ड्रन एंड यंग पीपल, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया (2009), युवा ऑस्ट्रेलियन लोगों के खिलाफ की जाने वाली हिंसा के प्रभावों पर राष्ट्रीय जाँच की सब्मिशन। सब्मिशन नम्बर 33)।

• यद्यपि अक्सर युवा लोगों को मुख्यत: हिंसा करने वालों के तौर पर समझा जाता है, पर इन लोगों का वास्तव में हिंसा के शिकार होने का खतरा सबसे अधिक होता है।

• युवा लोग खुद अपनी स्वयं की निजी सुरक्षा को लेकर चिंतित होते हैं, और 18 से 24 वर्ष की आयु वाले एक-चौथाई युवा लोग अंधेरा हो जाने के बाद अपने स्थानीय क्षेत्र में अकेले पैदल चलने में असुरक्षित या बहुत असुरक्षित महसूस करते हैं, और 10 में से लगभग 1 रात में अपने घरों में असुरक्षित महसूस करते हैं।

(स्रोत: पार्लियामेंट ऑफ दि कॉमनवेल्थ ऑफ ऑस्ट्रेलिया, युवा ऑस्ट्रेलियन लोगों के खिलाफ की जाने वाली हिंसा के प्रभावों पर जाँच की Avoid the Harm - Stay Calm रिपोर्ट)।